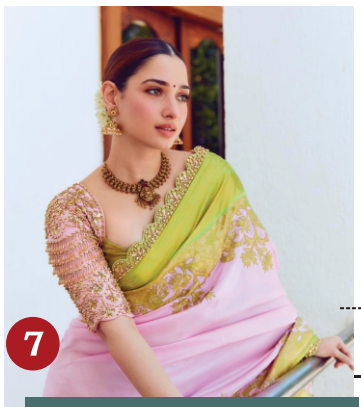

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 गोरखपुर जेल बाईपास रोड

5 रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सात समंदर पार भी मनेगा भव्य उत्सव, तैयारी शुरू

8 सुपर ओवर में रिंकू सिंह का कमाल

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 6 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 04 सितम्बर, 2023

सावन में 10 लाख भक्तों ने किए रामलला के दर्शन

सावन की प्रमुख तिथियों पर भक्तों की संख्या

हर रोज पहुंचे २० हजार श्रद्धालु

पहला सोमवार-10 जुलाई-21542
दूसरा सोमवार-17 जुलाई-22544
तीसरा सोमवार- 24 जुलाई-28212
चौथा सोमवार-31 जुलाई-27210
पांचवा सोमवार-07 अगस्त-15400
छठवां सोमवार-14 अगस्त-21230
सातवां सोमवार-21 अगस्त-22540
आठवां सोमवार-28 अगस्त-24575
सावन तृतीया-19 अगस्त-29225
नाग पंचमी-23 अगस्त-24655
सावन एकादशी-26 अगस्त-32000
सावन पूर्णिमा-30 अगस्त-42000

लखनऊ। सावन के महीने में रामभक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने का रिकार्ड ही बना दिया। हर रोज करीब २० हजार श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। यह दर्शनार्थियों की संख्या का नया कीर्तिमान है। सावन मास में इस बार रामलला के दर्शन का रिकार्ड बना। इस सावन में मलमास के दुर्लभ संयोग के चलते सावन का माह ५८ दिनों का रहा तो वहीं, भक्तों को आठ सोमवार मिले। सावन मास के ५८ दिनों में करीब १० लाख भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शनार्थियों की संख्या का नया कीर्तिमान बना। सावन मास का शुभारंभ चार जुलाई को हुआ था जबकि समापन ३१ अगस्त को हुआ। इस हिसाब से ५८ दिनों के दौरान औसतन करीब २० हजार भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। सावन मास की प्रमुख तिथियों पर अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा भीड़ रही। सावन के सोमवार, तृतीया, एकादशी व पूर्णिमा तिथि पर बड़ी संख्या में भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।

डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए संपर्क करे, 7007789842

http://www.darjeelingteagarden.com

विनय हत्याकांड-मंत्री के बेटे की लापरवाही से हुई वारदात

पुलिस की मेहरबानी नहीं दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जुआ ही विवाद का जड़ बना। विवाद बढ़ा और विनय को मार दिया। ऐसे में कानून के जानकारों का कहना है कि एफआईआर में जुआ अधिनियम के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए। विनय श्रीवास्तव हत्याकांड के पीछे मंत्री के बेटे विकास किशोर की बड़ी लापरवाही रही है। अगर विकास ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल(. ३२ बोर) सुरक्षित रखते तो घटना न होती। इसके लिए शस्त्र कानून के तहत उन पर एफआईआर होनी चाहिए लेकिन पुलिस की उन पर अब तक मेहरबानी की है। उन पर कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। बस लाइसेंस निरस्तीकरण कराने संबंधी कार्रवाई की बात ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने प्रेसवार्ता के दौरान कही।

जिस पिस्टल से विनय को गोली मारी गई उसका लाइसेंस विकास किशोर के नाम पर है। पुलिस की जांच में इसकी पुष्टि हो गई है। विकास घटनास्थल पर नहीं थे। लेकिन, पिस्टल बिस्तर पर तकिए के नीचे रखी थी। जब विनय का आरोपियों से झगड़ा हुआ आसानी से पिस्टल अंकित को मिल गई। इससे स्पष्ट है कि विकास ने लाइसेंसी पिस्टल सुरक्षित स्थान पर नहीं रखी थी। विधि विशेषज्ञों के मुताबिक शस्त्रधारक की जिम्मेदारी है कि वह लाइसेंसी असलहा सुरक्षित स्थान पर रखें। जिससे उसका दुरुपयोग न हो सके। जो आर्म्स एक्ट-३० के तहत आता है। ऐसे में इसी एक्ट के तहत शस्त्र धारक पर कार्रवाई होनी चाहिए। एक्ट के तहत छह माह से एक साल तक की सजा व जुर्माने का प्रावधान है।

जुआ अधिनियम के तहत भी होनी चाहिए कार्रवाई

प्रेसवार्ता कर ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जुआ ही विवाद का जड़ बना। विवाद बढ़ा और विनय को मार दिया। ऐसे में कानून के जानकारों का कहना है कि एफआईआर में जुआ अधिनियम के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अलावा एक मकसद से आरोपियों ने घटना कारित की इसके लिए दफा ३४ और सुबूत मिटाने में धारा २०१ लगाई जानी चाहिए। पुलिस इन धाराओं को आगे की विवेचना बढ़ा सकती है।

मैं नहीं करुंगा टिप्पणी

इन सब पर मैं टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। अभी तक जो तथ्य मिले हैं, वो साझा किए हैं। विवेचना प्रचलित है। इस दौरान जो साक्ष्य आएंगे, उससे अवगत कराया जाएगा। अगर कोई इस तरह की लापरवाही करता है तो शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई से पहले नोटिस दी जाती है। जो भी विधिक कार्रवाई होनी चाहिए वह करेंगे।

पुलिस ने मौके से ये किया बरामद

पुलिस ने मौके से एक पिस्टल .३२ बोर, सीसी फुटेज का डीबीआर, एक खोखा कारतूस, ताश के ५२ पत्ते और दो हजार रुपये बरामद किए हैं।

अंकित को पता था, कहां रखी है विकास की पिस्टल

अंकित को यह पता था कि विकास किशोर पिस्टल तकिया के नीचे छुपाकर गए हैं। क्योंकि जब विनय से झगड़ा हुआ तो अंकित ने भागकर बेड के नीचे से सबसे पहले पिस्टल निकाल ली। इसका मतलब जब विकास किशोर बाहर जाता था तो अंकित को पता रहता था कि उसकी पिस्टल कहां रखी है? अगर विकास ने यह लापरवाही न बरती होती तो हत्या न होती।

केंद्रीय मंत्री चला रहें नशा मुक्ति अभियान, बेटे को दोस्त घर पर पी रहे शराब

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर बेटे की शराब से मौत के बात नशा मुक्ति का अभियान चला रहे हैं। यह अभियान वह लखनऊ से लेकर बाहरी जनपदों में पूरी तन्मयता से चला रहे हैं। लोगों को नशा न करने की सलाह देते हैं। वहीं उनके जिस घर में विनय की हत्या हुई। उसमें विकास किशोर के दोस्त अजय रावत, अरुण प्रताप सिंह, शमीम और उसके साथी बैठकर शराब पी रहे थे।

रात एक बजे चारबाग से मंगवाया गया चिकन और शराब

पुलिस की तफ्तीश में पता चला है कि रात घटना के पहले अरुण प्रताप, शमीम, सौरभ रावत, अजय रावत और अंकित वर्मा पहले बाहर से शराब पीकर केंद्रीय राज्यमंत्री के घर पहुंचे थे। इसके बाद सौरभ रावत और अजय रावत चारबाग गए थे। चारबाग में चिकन और फिर शराब खरीदी गई थी। दोनों लेकर पहुंचे। सबने चिकन खाया, शराब पी। इसके बाद जुआ खेलने लगे थे।

सम्पादकीय

गुटनिरपेक्षता से लेकर अगले सप्ताह दिल्ली में जी-२०

७वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। ७वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फिलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है। अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली जी-२० बैठक को लेकर काफी उत्साह पैदा किया जा रहा है, विशेष रूप से यह दिखाने के लिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही भारत को समूह की अध्यक्षता मिली है, तथा इसी का प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। परन्तु मामले की सच्चाई यह है कि जी-२० में अध्यक्षता की एक चक्रीय प्रणाली है, जिसके तहत सभी सदस्य देशों को बारी-बारी से आयोजन का अवसर और अध्यक्षता और दी जाती है। दरअसल भारत पिछले साल जी-२० का अध्यक्ष बन सकता था लेकिन इसमें एक साल की देरी हो गई।

जी-२० के पास चर्चा के लिए कई एजेंडे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक शांति और सभी के लिए स्वास्थ्य है। कई हिस्सों में चल रहे सशस्त्र संघर्षों के कारण आज दुनिया बहुत गंभीर स्थिति में है। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष इस समय सबसे गंभीर है। यूएनओ के अनुसार अब तक ३६०४ नागरिकों सहित १४४०० से अधिक लोग मारे गये हैं। ८० लाख से अधिक लोग बाहरी रूप से विस्थापित होकर दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं। मामला सिर्फ रूस और यूक्रेन के बीच नहीं रह गया है। अमेरिका और नाटो की स्पष्ट भागीदारी से चीजें बहुत आगे बढ़ गई हैं। दोनों पक्षों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान जारी करने के बाद कि वह यूक्रेन को क्लस्टर हथियारों की आपूर्ति करेंगे, रूस ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में उनके पास परमाणु हथियारों का उपयोग करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा। यह बहुत खतरनाक स्थिति है क्योंकि इस समय उस सीमा पर कोई भी परमाणु आदान-प्रदान रूस और यूक्रेन के बीच सीमित नहीं रहेगा। यह रूस और अमेरिका और नाटो के बीच परमाणु आदान-प्रदान होगा। नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इसका मतलब ५ अरब से अधिक लोगों की मृत्यु होगी जो हजारों वर्षो के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत होगा।

आईपीपीएनडब्ल्यू और पर्यावरण समूहों द्वारा किये गये अध्ययन ने पहले ही सुबूतों के साथ दिखाया है कि उदाहरण के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित परमाणु आदान-प्रदान से भी २ अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन रूस और अमेरिका के बीच आदान-प्रदान कहीं अधिक विनाशकारी होगा।

इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के विभिन्न हिस्सों में भी संघर्ष चल रहे हैं। इन आंतरिक झगड़ों को अमीर देशों के विभिन्न आर्थिक हितों के लिए किसी न किसी रूप में अंतरर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त है। फिलिस्तीन या सीरिया की स्थिति अत्यधिक मानवाधिकार उल्लंघन के उदाहरण हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि जी-२० परमाणु निरस्त्रीकरण जैसे मुद्दों पर कड़ा निर्णय ले और छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाये।

हालांकि यह असंभावित लगता है क्योंकि जी-२० एक समरूप समूह नहीं है। यह बहुराष्ट्रीय निगमों और सैन्य औद्योगिक परिसरों पर हावी स्व-हित वाले देशों का एक समूह है। यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम) के विपरीत है जिसने प्रभावी कदम उठाए और विभिन्न देशों में निरस्त्रीकरण, विकास और मानवाधिकारों के मुद्दे पर गंभीर चिंताएं उठाईं। यह सर्वविदित है कि उस समय भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नैम की स्थापना जवाहरलाल नेहरू, मार्शल टीटो और अब्दुलगमाल नासिर की पहल पर की गई थी। नैमका ७वां शिखर सम्मेलन १९८३ में दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें ११७ देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था और कई देशों के २० पर्यवेक्षक थे। इसके विपरीत, जी-२० एक छोटा आयोजन है लेकिन बहुत अधिक प्रचार के साथ। ऐसा लगता नहीं है कि जी-२० बैठक परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए एक ठोस घोषणा के साथ सामने आयेगी, जो अब ७ जुलाई २०१७ को यूएनओ द्वारा पारित परमाणु हथियारों के निषेध पर बहुपक्षीय संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के माध्यम से संभव है।

अंदर एक मजबूत ल बी है। जी-२० ने यूएनओ में टीपीएनडब्ल्यू का विरोध किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा के सदस्यों पर जबरदस्त दबाव डाला। ये देश निवारक के रूप में परमाणु हथियारों के सिद्धांत के नायक हैं। इसकी बहुत कम संभावना है कि जी-२० सभी के लिए स्वास्थ्य पर कोई ठोस निर्णय लेकर आयेगा जिसके लिए स्वास्थ्य देखभाल के लिए संसाधनों के समान वितरण की आवश्यकता है।

हमने देखा है कि कैसे फार्मास्युटिकल कंपनियों, विशेष रूप से वैक्सीन उत्पादक कंपनियों ने कोविड महामारी के दौरान तबाही मचाई और छोटे देशों को ब्लैकमेल किया, जिनके पास अपने दम पर वैक्सीन बनाने के लिए न तो तकनीकी जानकारी थी और न ही संसाधन। माना जाता है कि बड़ी फार्मा कंपनियों ने इस अवधि के दौरान भारी मुनाफा कमाया है। सभी के लिए स्वास्थ्य, सस्ती दवा मूल्य निर्धारण और न्यायसंगत स्वास्थ्य देखभाल पर किसी भी बातचीत के लिए, फार्मा कंपनियों को विनियमित करना होगा और उनके मुनाफे को पारदर्शी बनाना होगा।

जी-२० की गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में नतीजों पर नजर रखना अच्छा रहेगा। लेकिन अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे देश कार्पोरेट समर्थक विचारधारा और आर्थिक हितों वाले हैं। क्या वे हथियार छोड़ने के लिए तैयार होंगे या क्या वे विश्व व्यापार संगठन में प्रभावी बदलाव करने के लिए तैयार होंगे ताकि विकासशील देशों की सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके? ७वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फिलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है। वर्तमान में हमारी राजनीति में उस स्तर के राजनैतिक कौशल का अभाव है।

चांद पर शिवशक्ति पाइंट राजनीति का अंतरिक्ष

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती को भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे। इस गीत के लिए जावेद अख्तर को फिल्म फेयर अवार्ड भी मिला था। आप सोच रहे होंगे कि इस जानकारी का भला इस लेख से क्या तालमेल है। दरअसल जावेद अख्तर को पंछी, नदिया, पवन के साथ राजनीति भी जोड़नी थी, तो ये लाइनें ऐसी बनतीं-श्पंछी, नदिया, राजनीति, पवन के झोंके, कोई सरहद ना इन्हें रोके।

आज तो यही बात चरितार्थ हो रही है। अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है, चंद्रयान-३ की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को शशिवशक्तिश नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी २००८ में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे जवाहर प इंट नाम दिया गया था। जाहिर है, तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया। सवाल है कि क्या जवाहर पाइंट देशभक्ति थी और शिवशक्ति प इंट राजनीति है?

जायज सवाल है, पर इसका जवाब भी इसी सवाल में दे दिया गया है। अगर श्जवाहर प इंटश का नामकरण भी राजनीति ही थी तो यह अच्छी राजनीति थी, क्योंकि इसी का नतीजा है कि १५ साल बाद चंद्रयान-३ चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारा गया। तो ऐसे में शशिवशक्ति पाइंट के नामकरण में भला क्या आपत्ति हो सकती है? नहीं होती, अगर यही नाम ऐसे किसी पाइंट का होता जो मानसरोवर के सामने मौजूद कैलाश पर्वत के किसी राज को खोलने के किसी वैज्ञानिक मिशन के लिए वहां के किसी स्थान के लिए रखा जाता। तब शिवशक्ति के नाम के पीछे की एक जायज वजह होती। कैलाश पर्वत पर वास करने संबंधी भगवान शिव की मान्यता के साथ इस नामकरण पर कोई भी आपत्ति खारिज की जा सकती थी। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर शिवशक्ति पाइंट के नामकरण पर तीन आपत्तियां बताई जा सकती हैं। पहली, जिस मिशन के लिए चंद्रयान-३ को वहां भेजा गया था, उसका इस नाम से कुछ लेना-देना नहीं है। दूसरी, इसरो के वैज्ञानिक जिस जिद, जुनून, जज्बे और वैज्ञानिक नजरिए के साथ यह पूरा मिशन संभाल रहे थे, उसमें धर्म वैज्ञानिकों का एक निजी विश्वास जरूर हो सकता है, लेकिन इसे मिशन के दूरदर्शी नतीजों के साथ जबरन जोड़ना कतई फायदेमंद नहीं होगा। उलटे इसके नुकसान जरूर हो सकते हैं। इस पूरे मिशन में जितने भी वैज्ञानिक जुड़े हैं, जरूरी नहीं कि वे सारे हिंदू हों, होने भी नहीं चाहिए। ऐसे में किसी वैज्ञानिक मिशन से जुड़े ऐसे बेहद अहम पाइंट का नाम धर्म विशेष से क्यों रखा जाना चाहिए? तीसरी आपत्ति यह है कि इस नाम को नासाश या ईएसए (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) जैसी अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों को किस तरह समझाया जाएगा। आखिर किसी को कैसे बताया जाएगा कि चांद की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसकी सतह पर मौजूद रासायनिक और प्रोंतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के इस मिशन के बेहद अहम प्वाइंट को केवल हिंदू देवता के नाम पर क्यों रखा गया है? और यह भी कि देश के एक हिंदूवादी संगठन के नेता का यह बयान जब वतन की सीमा पार कर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह बनाएगा कि चांद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए, तब भारत किस मुंह से इस पर सफाई देगा। सच तो यह है ऐसे बयान देने वालों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में भारत की धर्मनिरपेक्ष देश से, बीते ९ सालों में हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले देश की छवि और मजबूत होगी। क्या इससे खालिस वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक खोज के लिए बनी नासा, ईएसए जैसी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं के सामने हमारा मजाक नहीं बनेगा? अब जरा, शिवशक्ति के पीछे की राजनीति समझने की कोशिश करते हैं। अगर केंद्र सरकार का इरादा वास्तव में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशन को बढ़ावा देने का होता तो वह इसरो जैसी संस्थाओं का बजट बढ़ाता, लेकिन हकीकत तो यह है कि इसी साल के बजट में सरकार ने इसरो का बजट ११०० करोड़ रुपए कम कर दिया है। यानी दो चंद्रयान मिशन के बराबर की राशि। आरोप तो ये भी लग रहे हैं कि चंद्रयान-३ मिशन के लिए लान्च पैड बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों को १७ महीने से वेतन नहीं मिला है। परोक्ष या प्रत्यक्ष तौर पर इससे भी चंद्रयान मिशन जैसे अभियानों से जुड़े श्इसरोश सरीखे संगठनों के आत्मविश्वास को बढ़ावा तो नहीं ही मिलता। अब जरा विदेश यात्रा से लौटकर सीधे श्इसरोश जाने और वहां वैज्ञानिकों से मिलकर प्रधानमंत्री ने जिन तीन बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया, उन्हें देखते हैं। पहली, २३ अगस्त को हर साल भारत नेशनल स्पेस डे मनाएगा। दूसरी- चांद पर लैंडर जिस जगह उतरा, वह जगह शिवशक्ति पाइंट कहलाएगी। तीसरी- चांद पर जिस जगह चंद्रयान-२ के पदचिन्ह हैं, उस पाइंट का नाम तिरंगा होगा। इन घोषणाओं के राजनीतिक फायदे तो समझ आते हैं, पर वैज्ञानिक फायदे जानने के लिए रिसर्च की जरूरत पड़ सकती है। अगर पीएम इसरो के लिए २-४ हजार करोड़ के विशेष बजट का ऐलान कर देते, इस पूरे मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, स्टाफ के लिए एक या दो महीने के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा करते या अगले ऐसे ही मिशन के बजट में १०-१५ फीसदी बढ़ोतरी की ही घोषणा कर देते तो बेहतर हो सकता था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि भले ही सरकार ने इसरो के बजट को १३,७०० करोड रुपयों से घटाकर १२,५४३ करोड़ रुपए कर दिया हो, वह चंद्रयान मिशन-३ को २०२४ के अपने राजनीतिक मिशन की कामयाबी के लिए भुनाने में किसी तरह की कोर-कसर नहीं रहने देगी। चंद्रयान-३ की सफलता पर जिस तरह बधाईयों की विज्ञापनबाजी हो रही है, उससे इसे समझा भी जा सकता है।

कदम चांद पर लेकिन सोच वही दकियानूसी

किसी बात पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साधनों के बिना सोचे-समझे भरोसा करना उस पिछड़े और अंधविश्वासी विचार को सुनने तथा बढ़ावा देने का जोखिम रहता है। इसके खिलाफ जवाहरलाल नेहरू ने आवाज उठाई थी। हमारी जड़ों को फिर से खोजने के नाम पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और उनके कुछ चापलूसों ने यही दृष्टिकोण अपनाया है। दूसरी ओर, प्रकृति और उसके द्वारा हमें प्रदान की गई सभी चीजों के प्रति सम्मान के बिना आरंभ किए गए उपक्रम एक शोषक म डल बनने का जोखिम उठाते हैं।

भारत ने चंद्रमा पर अपना झंडा फहरा दिया है। भारत पहला देश है जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारा है। भारत चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला केवल चौथा देश बन गया है। जाहिर है कि राष्ट्र ने जो हासिल किया है, उससे उत्साह, गर्व और खुशी की भावना है। हमने बहुत दूर तक का सफर तय किया है। जब हम खुद से परे देखते हैं तो हम बहुत कुछ सीखते हैं लेकिन भारतीय विचार और आध्यात्मिक परंपराएं हमें सिखाती हैं कि जब हम अपने अंदर झांकते हैं तो हम और ज्यादा सीखते हैं। इसरो प्रमुख ड . एस सोमनाथ ने चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने के कुछ दिनों बाद तिरुवनंतपुरम में भद्र काली मंदिर की यात्रा के दौरान इसे बहुत सहजता से कहा। उन्होंने कहा-मैं कई मंदिरों में जाता हूं, मैं कई शास्त्रों को पढ़ता हूं। इस ब्रह्मांड में हमारे अस्तित्व और हमारी यात्रा का अर्थ खोजने की कोशिश करता हूं। मैं एक अन्वेषक हूं। मैं चंद्रमा के रहस्यों का पता लगाने का प्रयास करता हूं। मैं अंतर्मन के रहस्यों को खोजने की कोशिश करता हूं।

अंतर्मन वह जगह है जहां हमारी सभी यात्राएं शुरू और समाप्त होती हैं। वेदांत के अग्रणी प्रतिपादकों में से एक अर्श विद्या गुरुकुलम के स्वामी दयानंद सरस्वती (१९३०-२०१५) ने भगवद् गीता की पहली पंक्ति पर विस्तार से यह सिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वामी दयानंद सरस्वती का सम्मान करते हैं। नेत्रहीन राजा धृतराष्ट्र द्वारा संजय से यह पूछने के साथ पवित्र भगवद् श्गीता की शुरुआत होती है- युद्ध के मैदान में इकटठे हुए, लड़ने की इच्छा रखते वाले, श्मेरे लोगोंश और श्पांडु पुत्रोंश ने क्या किया? धृतराष्ट्र के पुत्र उसके लोग हैंय उनके भाई पांडु के पुत्र श्उसके लोगश नहीं हैं, और लड़ाई यहीं से शुरू होती है। स्वामी दयानंद सरस्वती एक अनोखे तरीके और शैली में यह बात सिखाते हैं कि सभी लड़ाइयां अंदर की ओर हमारे अंतर्मन में होती हैं और हमारा शरीर और उसके कार्य कुरुक्षेत्र के युद्ध क्षेत्र का निर्माण करते हैं जहां धर्म की परीक्षा होती है।

जब बाह्य जगत में आपका गौरव हो रहा हो उस समय डा . सोमनाथ ऐसे दुर्लभ व्यक्ति हैं जो वैज्ञानिक पद्धति के साक्ष्य आधारित अभ्यासक हैं। उन्होंने अपने जीवन में एक ही समय में विज्ञान की खोज तथा आध्यात्मिकता विचार के लिए जगह बनाई है। अंतरिक्ष अन्वेषण में इसरो प्रमुख की शानदार उपलब्धि विज्ञान के तरीकों के लिए उनके प्यार में निहित है। वास्तव में ऐसा होना भी चाहिए। वैज्ञानिक क्रांति के पिता फ्रांसिस बेकन (१५६१-१६२६) का कहना था कि-इसे (विज्ञान को) वर्चस्व और नियंत्रण की भाषा का उपयोग कर हमें प्रकृति पर अत्याचार कर उसे अपने रहस्य उजागर करने के लिए बाध्य करना होगा। विज्ञान के संबंध में भारतीय धारणा इसके विपरीत है। भारतीय परंपरा प्रेंति का सम्मान करना, प्रेंति की पूजा करना और उससे सीखने का संदेश देती है।

छात्रों में मची रही होड- बीए को सिविल सर्विसेज की तैयारी का आधार बना रहे विद्यार्थी, चुन रहे पसंदीदा विषय

गोरखपुर। गोविवि समन्वयक प्रवेश परीक्षा डा . विनय सिंह ने कहा कि बीए और एमए में इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अंग्रेजी, हिंदी व अर्थशास्त्र में पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों में रुझान अधिक है। पहले से दूसरी काउंसिलिंग में ही इन विषयों की सीटें फुल हो गई। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से विद्यार्थियों के लिए यह विषय पहली पसंद बने हुए हैं। गोरखनाथ क्षेत्र के राजेंद्रनगर निवासी श्वेता तिवारी के पिता पीसीएस अधिकारी हैं। श्वेता ने इंटर तक की पढ़ाई कांवेंट स्कूल में साइंस विषय में की। परिवार के लोगों ने उसे बीटेक या साइंस से ही स्नातक करने की सलाह दी, लेकिन उसने परिवार के समक्ष सिविल सर्विसेज की तैयारी करने की इच्छा जताते हुए बीए करने की बात कही। बेटी की बात को पिता ने भी मान लिया। गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में उसने अच्छा अंक प्राप्त किया।

परिणाम स्वरूप काउंसिलिंग के लिए जारी पहली लिस्ट में उसका नाम आ गया। उसने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के अनुरूप बीए में इतिहास, राजनीतिशास्त्र और हिंदी विषय को चुना। बाद में परिवार के दबाव पर उसने

हिंदी को छोड़ अंग्रेजी विषय लिया। श्वेता का कहना है उसका मुख्य उद्देश्य सिविल सर्विसेज की तैयारी करना है।

यह तो महज बानगी भर है। आज के इस दौर में युवा भविष्य को लेकर काफी सतर्क हैं। छात्र-छात्राएं इंटर पास करने के बाद ही आगे चल कर क्या करना वह अपना लक्ष्य निर्धारित कर ले रहे हैं। छात्र-छात्राओं में आज भी सिविल सर्विसेज का क्रेज है। आईएएस व पीसीएस अधिकारी बनने का सपना पाले वह प्रारंभिक शिक्षा से अपने लक्ष्य के अनुसार पढ़ाई कर रहे हैं।

इंटर की पढ़ाई के बाद वह सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए बीए कर रहे हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही प्रवेश प्रक्रिया में बीए करने वाले अधिकतर विद्यार्थियों का लक्ष्य सिविल सर्विसेज या अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना है। वह बीए की पढ़ाई के लिए विषय का चयन भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के अनुरूप कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों के लिए बीए में इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अंग्रेजी और हिंदी आदि विषय बने हुए हैं। बीए में इन विषयों की अधिकतर सीटें प्रथम काउंसिलिंग में ही भर गईं। इन विषयों के प्रवेश नहीं मिलने पर वह दूसरे विषय का चयन कर रहे हैं।

इन विषयों में प्रवेश पाना रहा प्राथमिकता

बीए में इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र आदि विषयों में प्रवेश पाना विद्यार्थियों की प्राथमिकता रही। परिणाम स्वरूप प्रथम काउंसिलिंग में ही इन विषयों की अधिकतर सीटें भर गईं। यही आलम परास्नातक में भी देखने को मिली। इन विषयों से एमए करने के लिए अधिक आवेदन आए थे। एमए हिंदी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास विषय में १३२ सीटें हैं। अधिकतर फुल हो गई हैं।

कम आवेदन आने से इन विषयों की नहीं हुई प्रवेश परीक्षा

एमए संस्कृत में १३२ सीट के सापेक्ष ५० आवेदन आए थे। सीटों के सापेक्षआधे से भी कम आवेदन आने पर प्रवेश परीक्षा नहीं कराई गई।

काउंसिलिंग में सभी अभ्यर्थियों को आवेदन के लिए बुलाया गया था, लेकिन ३१ ने ही काउंसिलिंग कराने पहुंचे। दर्शनशास्त्र, रक्षा अध्ययन जैसे विषय में भी सीटों के बराबर आवेदन नहीं आने के कारण प्रवेश परीक्षा नहीं कराई गई। रक्षा अध्ययन में ५५ सीटों के सापेक्ष २५ अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई है। एमए उर्दू में ६६ सीटों के लिए करीब १०० आवेदन आए थे। इसमें से अभी ५२ सीटों पर ही अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराए हैं। गोविवि समन्वयक प्रवेश परीक्षा डा . विनय सिंह ने कहा कि बीए और एमए में इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अंग्रेजी, हिंदी व अर्थशास्त्र में पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों में रुझान अधिक है। पहले से दूसरी काउंसिलिंग में ही इन विषयों की सीटें फुल हो गई। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से विद्यार्थियों के लिए यह विषय पहली पसंद बने हुए हैं। वहीं कुछ विषयों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का रुझान कम हुआ है।

विकास की अधूरी खुशी

गोरखपुर जेल बाईपास रोड सुस्त है काम की रफ्तार, छह माह से ज्यादा करना होगा इंतजार

गोरखपुर। पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता हेमराज सिंह ने कहा कि जेल बाईपास रोड का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा करा लिया जाएगा। बारिश से काम प्रभावित हुआ है। लेकिन अब काम को तेज गति से पूरा कराने का निर्देश दिया गया है। सोनौली हाईवे से जोड़ने वाले जेल बाईपास-बरगदवां फोरलेन को पिछले साल जून में ही पूरा हो जाना चाहिए था। लेकिन अभी ५० से ६० फीसदी काम होता दिख रहा है। कुछ जगहों पर तो सड़क के दोनों तरफ सिर्फ मिट्टी ही डाली गई है। यहां बारिश में किच-किच और धूप होते ही उड़ती धूल से लोगों का जीना दूभर हो गया है। हाईवे से जुड़ने के कारण सड़क पर ट्रक और चार पहिया वाहनों की आवाजाही भी ज्यादा है। ऐसे में थोड़ी सी चूक से वाहनों के पहिए मिट्टी में धंस जा रहे हैं। अब अधिकारियों का दावा है कि मार्च-२०२४ तक इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा। यानी, इस फोरलेन पर फर्राटा भरने के लिए अभी छह से आठ महीने का इंतजार करना होगा।

फरवरी 2021 में शुरू हुआ था काम

१६७ करोड़ रुपये की लागत वाली जेल बाईपास-बरगदवां सड़क का निर्माण कार्य वर्ष २०२१ की फरवरी में शुरू हुआ। जेल बाईपास रोड का निर्माण कार्य जेल के पीछे से होते हुए पादरी बाजार, खजांची चौराहा, राप्तीनगर, स्पोर्ट्स कालेज, नकहां नंबर दो, नौतनवां-गोरखपुर रेललाइन पार करते हुए बरदगदवां तिराहे तक होना है। इस फोरलेन पर खजांची में फ्लाईओवर और रेलवे लाइन पर ओवरब्रिज बनाया जा रहा है। जबकि कौआबाग से लेकर पादरी बाजार तक सड़क और नाली का काम पूरा हो चुका है। डिवाइडर भी बनाए जा चुके हैं।

पादरी बाजार के पास सड़क के दोनों ओर नाली का कुछ काम बाकी है। जबकि पादरी बाजार से लेकर खजांची चौराहे तक भी सड़क और नाली बन चुकी है। लेकिन इसके आगे का काम बाकी है। इस रोड पर स्पोर्ट्स क लेज चौराहे से लेकर कोईलहवा चौराहे तक काम में रफ्तार दिखी।

खजांची चौराहे से पावर हाउस तक नहीं हुआ कोई काम

खजांची चौराहे से पावर हाउस तक कोई काम नहीं शुरू कराया गया है। फ्लाईओवर से ५० मीटर की दूरी पर देवी माता का मंदिर बीच सड़क में है। सड़क बगल से निकलेगी या मंदिर को हटाया जाएगा, अभी तय नहीं है। वहीं, स्पोर्ट्स कालेज के सामने सड़क का कोई काम नहीं हुआ है। जबकि, दूसरी लेन पर मिट्टी भराई की गई है। करीब १५ मीटर तक नाली का काम भी कराया गया है।

बोले लोग निर्माण कार्य की गति बहुत धीमी है। स्पोर्ट्स क लेज के आगे नाली और सड़क का काम किया जा रहा है। लेकिन खचांजी से लेकर राप्तीनगर पावर हाउस तक काम बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही बहुत है। - बनारसी, राहगीर।ओवरब्रिज निर्माण का काम चल रहा है। लेकिन सड़क नहीं बनाई जा रही है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। जब काम होगा तो यहां पर भी दुकानें और मकान तोड़े जाएंगे। - भगवानदास, दुकानदार।

यहां १० मिनट रुक जाइए, आपके कपड़े धूल से भर जाएंगे। हम लोगों की दुकान और मकान धूल से पट जाता है। काम में तेजी आए तो इसे परेशानी से भी जल्दी छुटकारा मिलेगा। -फूलचंद निषाद, दुकानदार। अभी डिवाइडर बनाई जा रही है। इसका काम तेजी से हो रहा है। यदि इसी तरह रफ्तार से सड़क का काम कराया जाए तो निर्माण कार्य जल्द होगा। इससे लोगों को आने-जाने में सहूलियत होगी।-झीनक उर्फ जगलाल चौहान, राहगीर। पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता हेमराज सिंह ने कहा कि जेल बाईपास रोड का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा करा लिया जाएगा। बारिश से काम प्रभावित हुआ है। लेकिन अब काम को तेज गति से पूरा कराने का निर्देश दिया गया है।

राप्ती रिवर फ्रंट का लाल पत्थरों से बनने थे घाट, योजना बनाकर भूल गए साहब

गोरखपुर। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि राप्ती रिवर फ्रंट की योजना बनी है। इसे यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड को दिया गया है। इसके बन जाने से पर्यटक आएंगे। खाने-पीने का सामान उपलब्ध होने से लोगों को रोजगार मिल सकेगा। अयोध्या में सरयू रिवर फ्रंट की तर्ज पर राप्ती नदी के किनारे राप्ती रिवर फ्रंट बनाने की योजना करीब एक साल पहले तैयार की गई। श्रीराम घाट और श्रीगोरक्ष घाट के किनारे से होकर डोमिनगढ़ तक तीन किलोमीटर की लंबाई में लाल पत्थरों से घाट तैयार किया जाना था।

बोटिंग और फास्ट फूड कोर्ट भी बनना था ताकि पर्यटक आएं और लोगों को घूमने-फिरने लायक एक बेहतर जगह मिल सके। लेकिन अधिकारियों ने इसमें दिलचस्पी ही नहीं दिखाई। इसके चलते सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फाइलों में ही कैद होकर रह गई है।

राप्ती नदी की सुंदरता को बढ़ाते हुए गुरु गोरक्षनाथ घाट और रामघाट बनाया गया है। इसके अलावा राप्ती के किनारे रिवर फ्रंट बनाने की तैयारी वर्ष २०२२ में की गई। योजना के मुताबिक, गोरक्षनाथ घाट से लेकर तीन किलोमीटर की दूरी तक डोमिनगढ़ तक लाल पत्थरों से घाट बनाया जाना था। इसके बन जाने से जहां नदी के किनारे की खूबसूरती बढ़ जाती, वहीं सुबह और शाम योग के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते।

घाटों पर नौकायन, फूड कोर्ट के साथ मनोरंजन के साधन का भी प्रस्ताव था। तब अधिकारियों ने नदी किनारे का जायजा लेकर नदी की गहराई बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण की बात भी कही थी। लेकिन अभी तक इस योजना पर धरातल पर कोई काम ही नहीं हो सका। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि राप्ती रिवर फ्रंट की योजना बनी है। इसे यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड को दिया गया है। इसके बन जाने से पर्यटक आएंगे। खाने-पीने का सामान उपलब्ध होने से लोगों को रोजगार मिल सकेगा।

गोरखपुर में टमाटर के बाद अब रुला रहा प्याज

नेनूआ, भिंडी सहित इन सब्जियों के भी बढ़े भाव

गोरखपुर। दोहरा शतक लगा चुके टमाटर के राहत देने के साथ अब प्याज के भाव ने रफ्तार पकड़ ली है। प्याज के बढ़ते दाम ने गृहणियों की परेशानी बढ़ा दी है। इसके साथ ही अन्य हरी सब्जियों के भाव भी बढ़ने लगे हैं। नासिक में हुई बारिश से ३० रुपये प्रति किलो बिकने वाला प्याज ४० रुपये पहुंच गया है, जबकि फुटकर में टमाटर की कीमत ४० से ५० रुपये प्रति किलो पहुंचने से लंबे समय से महंगाई से परेशान लोगों ने राहत की सांस ली है।

इस वजह से बढ़े प्याज के भाव

फल सब्जी विक्रेता संघ के अध्यक्ष अवध गुप्ता ने बताया कि नासिक में बारिश का असर प्याज की कीमतों पर दिखने लगा है। थोक में चार से पांच दिनों के अंदर प्याज की कीमत में १० रुपये प्रति किलो का उछाल आ गया है। बारिश के कारण प्याज सड़ने से काफी नुकसान हो रहा है, जिससे कीमत में तेजी है। टमाटर की बात करें तो आवक पहले की तुलना में बढ़ गई है। थोक मंडी में नासिक, बेंगलुरु से टमाटर की आवक अधिक हो गई है, जिससे कीमतों में कमी आई है।

जारी है टमाटर के भाव में गिरावट

सब्जी विक्रेता संजय ने बताया कि थोक से लेकर फुटकर तक में टमाटर के भाव में गिरावट जारी है। महेवा थोक मंडी में टमाटर ३० से ३५ रुपये किलो के बीच बिक रहा है। वहीं फुटकर बाजार में भाव ४० से ५० रुपये किलो हो गए हैं।

क्या कहती हैं गृहणियां

रुस्तमपुर में सब्जी की खरीदारी करने पहुंची रेखा सिंह, अनुराधा मिश्रा व नीतू त्रिपाठी ने बताया कि टमाटर के भाव तो कम हो गए लेकिन अब प्याज सहित अन्य सब्जियों की कीमत में काफी उछाल आया है। जिससे एक किलो की जगह आधा किलो ही खरीदना पड़ रहा है। किचन में दाल, तेल और सब्जी व मसाले सहित सभी खाद्य पदार्थों के बढ़ते दामों ने पूरा बजट बिगाड़ रखा है। सब्जियों के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो मुश्किलें और बढ़ेंगी।

गोरखपुर में उमस भरी गर्मी से सब परेशान, अब तो बरसो भगवान

गोरखपुर। बारिश के सीजन में जून, जुलाई, अगस्त व सितंबर माह में औसतन ११४४ मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके सापेक्ष अब तक अगस्त माह में करीब ८३३ मिमी बारिश हो चुकी है। वर्ष २०२२ में पूरे सीजन में ८६६.३ मिमी बारिश, वहीं वर्ष २०२१ में १४०७.६० मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

गोरखपुर में पिछले एक सप्ताह से बारिश नहीं होने से दिन और रात का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। बृहस्पतिवार को सुबह से ही चटक धूप निकलने से लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान ३५.७ व न्यूनतम तापमान २७.६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे रात में भी लोगों को उमस भरी गर्मी सताती रही। हालांकि मौसम विभाग ने शुक्रवार से मौसम में बदलाव का अनुमान जताया है। कल से चार दिन तक बारिश की संभावना है।

सावन में झूम के बरसे बदरा, भादों से भी आस

जुलाई में औसत से कम बारिश होने से लोग निराश हो गए थे, लेकिन अगस्त ने उन्हें तरबतर कर दिया। अगस्त माह में ४७० मिमी बारिश ने पिछले छह साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब लोगों को भादो से भी खूब बारिश की उम्मीद है। इससे पहले वर्ष २०२१ व २०२२ में भी जून-जुलाई में औसत से कम बारिश हुई थी, लेकिन अगस्त व सितंबर में झमाझम बारिश हुई थी।

इस साल जुलाई माह में ३१२.२ मिमी बारिश हुई है। यह औसत बारिश ३६७.४ मिलीमीटर से कम है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी लोगों की उम्मीदें अगस्त व सितंबर में होने वाली मूसलाधार बारिश पर टिकी हैं। अगस्त माह में हुई झमाझम बारिश से काफी राहत मिली। पिछले एक सप्ताह से मानसून ट्रैक से उतरने से तीखी धूप निकलने से लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने भी एक सितंबर से मौसम में बदलाव का अनुमान जताया है, लेकिन उमस भरी गर्मी लोगों को अभी सताती रहेगी।

सितंबर में हुई बारिश की स्थिति

वर्ष	सितंबर
२०१७	१४२.८
२०१८	८३.३
२०१९	४७४.१
२०२०	२८६.६
२०२१	२२०.१
२०२२	३५२.६

सीजन में औसतन 1144 मिमी होती है बारिश

बारिश के सीजन में जून, जुलाई, अगस्त व सितंबर माह में औसतन ११४४ मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके सापेक्ष अब तक अगस्त माह में करीब ८३३ मिमी बारिश हो चुकी है। वर्ष २०२२ में पूरे सीजन में ८६६.३ मिमी बारिश, वहीं वर्ष २०२१ में १४०७.६० मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

महंत की हत्या या फिर स्वाभाविक मौत

वाराणसी से लेकर गोरखपुर तक मठ की जमीन पर रार, जल्द सच आएगा सामने

गोरखपुर। महंत हरीश चंद्र पिछले एक साल से विवाद को सोशल मीडिया पर अपडेट कर रहे थे। संतकबीरनगर के महुली थाने में प्रार्थना पत्र देने से लेकर खजुरी में जमीन को लेकर चल रहे विवाद तक को उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। लोगों से अपील की कि वे सचाई जानें। महंत हौशिलादास की मौत कैसे हुई, इसका सच तो खैर पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा, लेकिन इसकी जड़ में असल विवाद १०० बीघा जमीन का है। वाराणसी, संतकबीरनगर के महुली और गोरखपुर में इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय तक भी पहुंच चुका है। जुलाई में न्यायालय के आदेश पर वाराणसी में एक केस भी दर्ज किया गया था। आरोप लगाने वाले महंत हरीश चंद्र दास भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जमीन के लालच में ही महंत की हत्या कर समाधि दे दी गई है।

महंत हरिशचंद्र दास का आरोप है कि रामप्रसाद ने जबरन महंत हौशिलादास को बंधक बना लिया। २० अगस्त को ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें चारपाई पर सोए हौशिलादास खुद को घासीकटरा पहुंचाने की बात कहते सुने जा रहे हैं। हरीश चंद्र दास का आरोप है कि संत समाज को बिना बताए ही उनको समाधि दी गई है। लेकिन आरोपों में घिरे महंत इसे सिरे से खारिज करते हैं। उनका कहना है कि महंत हौशिलादास खुद यहां आए थे। वह उनकी सेवा कर रहे थे और समाज की मौजूदगी में ही उन्हें समाधि दी गई है। खैर मौत की वजह चाहे जो हो, लेकिन पूरे विवाद के पीछे वाराणसी, गोरखपुर और संतकबीरनगर की जमीन ही है।

सहमति संबंध में मिला धोखा

शाकिब... मैंने धर्म बदलने तक की सोची, फिर भी तुम नहीं समझे, नोट लिख युवती ने दी जान

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वैशाली में गुरुवार देर रात कमरे में २३ साल की जिम रिसेप्शनिस्ट का पंखे से शव लटका मिला। वह गाजीपुर के युवक के साथ रिलेशनशिप में रहती थी। घटना के बाद आरोपी कमरा बंद कर भाग गया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर थाने के बाहर शव रख कर हंगामा किया। गाजियाबाद के वैशाली सेक्टर-३ में किराए के मकान में लिव इन पार्टनर शाकिब के साथ रहने वाली पिंकी गुप्ता (२३) ने बृहस्पतिवार की रात में किसी समय आत्महत्या कर ली। रात ११ बजे पड़ोसियों को उसका शव पंखे से लटकता नजर आया। पुलिस को उसकी डायरी में सुसाइड नोट मिला।

इसमें शाकिब के लिए लिखा है, मैंने धर्म बदलने तक की सोची, फिर भी तुम नहीं समझे, मुझसे अब बर्दाश्त नहीं होता। कौशांबी थाना पुलिस ने पिंकी के भाई शिवम की तहरीर पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज कर शाकिब को गिरफ्तार कर लिया है।

बदायूं निवासी राजू गुप्ता की बड़ी बेटी पिंकी और गाजीपुर के मुस्तफा के बेटे शाकिब के बीच साढ़े चार साल से दोस्ती थी। चार साल से दोनों लिव इन में इसी मकान में रह रहे थे। पिंकी जिम में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करती थी।

उसी जिम में शाकिब भी कर्मचारी था। जिम में ही दोनों में नजदीकी बनी और फिर साथ रहने का फैसला किया। शिवम ने बताया कि शाकिब, उसके पिता और बहनें पिंकी को प्रताड़ित करते थे। मुस्तफा कहता था, तू आत्महत्या कर ले और मेरे बेटे को छोड़ दे।

बहन ने फोन पर कई बार अपनी पीड़ा जाहिर की। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या से पहले पिंकी की शाकिब से फोन पर बात हुई थी। माना जा रहा है कि उसने कुछ ऐसा कहा जिससे पिंकी आत्महत्या पर मजबूर हुई।

लव जिहाद का मामला बताकर लगाया जाम

पिंकी के परिजनों ने कौशांबी थाने के बाहर हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि मामला आत्महत्या का नहीं, हत्या का है। आरोप लगाया कि शाकिब ने हत्या करके शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप दिया है।

पिंकी की मां ने कहा, शाकिब को फांसी की सजा होनी चाहिए ताकि उसकी जैसी सोच वाले लोगों को सबक मिले। इसी दौरान वहां हिंदू संगठनों के लोग पहुंच गए। उन्होंने मामला लव जेहाद का बताया और प्रदर्शन करने लगे। लोगों ने थाने के सामने जाम लगा दिया। ढाई घंटे हंगामा चला। पुलिस अफसरों ने आश्वासन दिया कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस पर लोग शांत हुए।

परिजनों ने शव रख किया प्रदर्शन

केन्द्रीय मंत्री के घर हुई बेटे के दोस्त की हत्या की एसआईटी जांच की मांग

लखनऊ : दुबग्गा-वाराबिरवा रिंग रोड पर प्रदर्शन करते आक्रोशित लोग व आक्रोशित लोगों को समझाते अधिकारी। (फोटो : एसएनबी)

- आरोपितों पर सख्त कार्रवाई के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त
- प्रदर्शन के दौरान दुबग्गा से बाराबिरवा जाने वाली रिंग रोड पर लगा भीषण जाम

लखनऊ [redacted] शव का पोस्टमार्टम के वाद परिजनों ने रिंक रोड पुलिस चौकी के सामने फरीदीपुर के पास शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने डीएम को मौके पर वुलाने की मांग कर आरोपितों को उम्र कैद और पूरे मामले की एसआईटी टीम से जांच कराने की मांग की। प्रदर्शन की सूचना मिलने के वाद ठाकुरगंज, दुवग्गा, पारा, काकोरी, तालकटोरा, सआदतगंज की भारी पुलिस वल मौके पर पहुंची। करीव आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के वाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लेने की वात कही और आरोपितों पर सख्त से सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके वाद लोगों ने प्रदर्शन समाप्त किया। आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान दुवग्गा से वाराविरवा जाने वाली रिंग रोड पर भीषण जाम लग गया। दुवग्गा में चौक की तरफ से आने वाले वाहन घंटों फंसे रहे। वहीं, हरदोई की तरफ से आने वाले राहगीर जाम में फंसकर वेहाल दिखे। लोग घंटो ट्रैफिक जाम में फंसे रहे।

छत पर बनाया था मीट, विवाद के बाद हाथापाई की आशंका : मंत्री कौशल किशोर के वेटे विकास किशोर उर्फ आशू ने अपने शागिर्दो के रहने के लिए घर के पास ही दूसरा मकान वनवाया था। इस मकान में विकास के साथ रहने वाले लड़के रात में ठहरते थे। वताया जा रहा है कि वेगरिया निवासी शुभम उर्फ रंगीला ने रात को खाने के लिए दुवग्गा से मीट लाया था। विनय न तो शराव पीता था और न ही मीट खाता था। विनय को जवरजस्ती मीट खिलाने को लेकर छत पर अंकित वर्मा से विवाद हुआ । वात इतनी वढ़ गया कि कहासुनी के दौरान हाथापाई होने लगी, जिसमें विनय की शर्ट फट गई और हाथ घड़ी गमले में गिर गयी। हाथापई के वाद विनय सीढ़ियों ने नीचे भागा, जिसके वाद उसको गोली मार दी गयी। विनय का शव सीढ़ियों के पास पड़ा था। शरीर पर चोट के निशान भी थे और पिस्टल वेड पर पड़ी हुई थी।

जमीन का चल रहा था विवाद : अंधे की चौकी के पास 65 सौ इस्क्वायर फिट का एक प्लॉट है, जो विनय और अरुण प्रताप सिंह उर्फ वंटी के नाम पर है। इसको लेकर विनय और वंटी के वीच करीव सात महीने पहले विवाद हुआ था। विवाद इतना वढ़ गया कि मामला दुवग्गा चौकी पर आया था। वहीं, मृतक विनय के भाई विकास का है कि विनय करीव 10 दिन पहले जमीन को लेकर विवाद चलने का घर में जिक्र कर रहा था। उनका कहना है कि विवाद किसके वीच में चल रहा है, विनय ने इसकी जानकारी परिजनों को नहीं दिया था।

सांसद पुत्र की पिस्टल का लाइसेंस होगा निरस्त : विनय की हत्या में प्रयुक्त .32 वोर का पिस्टल निरस्त कराया जाएगा। यह जानकारी जेसीपी आकाश कुलहरि ने दी है। उनका कहना है कि हत्या में प्रयुक्त पिस्टल सांसद पुत्र विकास किशोर उर्फ आशू का है। उसने वताया कि लाइसेंस उसके पास है, लेकिन वह पिस्टल जल्दवाजी में अपने वेड पर तकिया के नीचे छोड़ आया था। हत्यारोपितों को उसकी जानकारी ती। गुस्से में उन्होंने उसका इस्तेमाल कर लिया।

फेसबुक पर टिकट व यात्रा की फोटो पोस्ट कर मंत्री के बेटे ने रखा अपना पक्ष

लखनऊ [redacted] विनय की हत्या के वाद आरोपों के घेरे में केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर का वेटा विकास किशोर उर्फ आशू का दूसरा चेहरा सामने आया है, जो शख्स हमेशा उसके साथ साए की तरह रहता था। उसकी हत्या कर दी जाती है और मंत्री के वेटे अपने साथी को दखने के लिए दिल्ली से वापस भी नहीं लौटता, वल्कि वह फेसवुक पर फ्लाईट में उड़ान भरने के दौरान दोस्त के साथ यात्रा व फ्लाइट का टिकट फेसवुक कर लगाए गए आरोपों का खंडन करते है, और दिल्ली में होने की वात कहते है। यहीं कारण है कि परिजनों ने मंत्री के वेटे को को भी संदेह के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया।

निजी लैब में 1200-1400 रुपये में होगी डेंगू की जांच

लखनऊ में डेंगू-चिकनगुनिया की जांच की दर तय कर दी गई है। इसकी रेट लिस्ट सभी लैबों को भेज दी गई है। तय शुल्क से अधिक वसूली की गई तो कार्रवाई होगी।

लखनऊ। निजी पैथोल जी में डेंगू-चिकनगुनिया और स्क्रब टाइफस की जांच की दर तय कर दी गई है। डेंगू की जांच का शुल्क १२००-१४०० रुपये, चिकनगुनिया का १२०० से १७०० और स्क्रब टाइफस का १२०० से १४०० रुपये होगा। सीएमओ कार्यालय से सभी निजी लैबों को रेट लिस्ट भेज दी गई है। इससे अधिक शुल्क वसूलने पर कार्रवाई होगी।

जांच -- दर रुए में
एनएस१ एलाइजा (लैब में) -- १२००
एनएस१ एलाइजा (मरीज के घर पर) -- १४००
एनएस१ कार्ड टेस्ट -- १०००
आईजीएम एलाइजा (लैब में) -- ७५०
आईजीएम एलाइजा (मरीज के घर पर) -- ८००
चिकुनगुनिया कार्ड टेस्ट -- १२००
चिकुनगुनिया पीसीआर -- १७००
स्क्रब टाइफस एलाइजा (लैब में) -- १२००
स्क्रब टाइफस एलाइजा (मरीज के घर पर) -- १४००
प्लेटलेट काउंट (लैब में) -- २५०
प्लेटलेट काउंट (मरीज के घर पर) -- ३५०
एक यूनिट प्लेटलेट (आरडीपी) -- ४००
केजीएमयू में जांच का शुल्क
डेंगू - ६०० रुपये
मलेरिया - ३००
टायफाइड - ३००
चिकनगुनिया - मुफ्त।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सात समंदर पार भी मनेगा भव्य उत्सव, तैयारी शुरू

विदेश के 1100 मंदिरों में मनेगा रामोत्सव, तैयारी प्रारंभ। विश्व के भिन्न-भिन्न देशों में निर्मित मंदिरों को अयोध्या से रामजन्मभूमि की रज व अक्षत भेजे जाएंगे।

विदेश के लगभग 1100 मंदिरों को चिन्हित किया गया है जिसके प्रबंधन को सामग्री भेजी जाएगी। इन मंदिर परिसरों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन विशेष उत्सव मनाया जाएगा। इसमें वहां के रामभक्तों व सनातन धर्म के अनुयायियों को आमंत्रित किया जाएगा। अक्षत व रज को मंदिर-मंदिर प्रतिष्ठित कर वहां रामोत्सव मनाया जायेगा। इस आयोजन की रूपरेखा भी स्वयंसेवक संघ के हवाले है।

देश के अलावा विदेश के लगभग 39 देशों में संघ का कार्य है। ऐसे देश जहां रामलीला का मंचन होता है, वहां स्थित मंदिरों में आयोजन को मनाने का लक्ष्य है। देश के ही लगभग पांच लाख मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा आयोजन की धूम होगी।

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को अंतिम स्पर्श देने के साथ जनवरी में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य व ऐतिहासिक बनाने की तैयारी जोरों पर है। आयोजन भारत के अलावा विश्व के अलग-अलग देशों में भव्यता के साथ मनाया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा समिति की गत दिनों हुई बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा हुई। तय हुआ कि विदेश में निवास कर रहे भारतवंशी व सनातनधर्मियों को इस अविस्मरणीय आयोजन से जोड़ा जाए। विश्व के भिन्न-भिन्न देशों में निर्मित मंदिरों को अयोध्या से रामजन्मभूमि की रज व अक्षत भेजे जाएंगे। यह उत्सव मनाने का आमंत्रण होगा। इसके लिए विदेश के लगभग ११०० मंदिरों को चिन्हित किया गया है, जिसके प्रबंधन को सामग्री भेजी जाएगी। इन मंदिर परिसरों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन विशेष उत्सव मनाया जाएगा। इसमें वहां के रामभक्तों व सनातन धर्म के अनुयायियों को आमंत्रित किया जाएगा।

अक्षत व रज को मंदिर-मंदिर प्रतिष्ठित कर वहां रामोत्सव मनाया जायेगा। इस आयोजन की रूपरेखा भी स्वयंसेवक संघ के हवाले है। इसे भी स्वयंसेवक मूर्तरूप देंगे। अक्षत व रज भेजने के विशेष प्रबंध किये जायेंगे। रामजन्म भूमि परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में पीएम नरेन्द्र मोदी को हिस्सा लेना है।

दरअसल देश के अलावा विदेश के लगभग ३९ देशों में संघ का कार्य है। ऐसे देश जहां रामलीला का मंचन होता है, वहां स्थित मंदिरों में आयोजन को मनाने का लक्ष्य है। देश के ही लगभग पांच लाख मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा आयोजन की धूम होगी। इन मंदिरों में रामायण, सुदंर कांड का पारायण, राम कथा आदि कार्यक्रम करने की योजना है। ये सब स्थानीय लोगों के समन्वयक व सहयोग से संपादित होंगे। रामभक्तों की प्रत्यक्ष भागीदारी रहेगी।

भारत-इंग्लैंड विश्व कप मैच के टिकट 40 हजार तक, 29 अक्तूबर को इकाना स्टेडियम में मुकाबला

लखनऊ। जैसी उम्मीद थी, ठीक वैसा ही हुआ। ५० हजार की क्षमता वाले शहर के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में २९ अक्तूबर को भारत और इंग्लैंड के बीच विश्व कप का मुकाबला देखने के लिए जेब काफी ढीली करनी होगी।

इस मैच की टिकट दर १५०० से लेकर ४०,००० रुपये के बीच होगी। इकाना में अब तक हुए किसी भी मुकाबले के लिए यह टिकट दर सबसे महंगी है। हालांकि, इसके बावजूद शुक्रवार को सिर्फ सवा घंटे में ही जनरल स्टैंड के २५ और ह स्पिटेलिटी के दस फीसदी टिकट अ नलाइन बिक गए। इसके बाद साइट पर टिकट बिकने बंद भी हो गए।

अन्य मैचों की टिकट बिक्री भी जोरों पर

भारत वाले मैच को छोड़ अन्य मुकाबलों के टिकट पिछले सप्ताह ही बिकने शुरू हो गए थे। इनमें १२ अक्तूबर को आस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, १६ अक्तूबर को आस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका, २१ अक्तूबर को नीदरलैंड बनाम श्रीलंका, ०३ नवंबर को नीदरलैंड बनाम अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैचों की टिकट बिक्री तेजी से जारी है।

भारत-इंग्लैंड मैच की टिकट दरें

जनरल स्टैंड : 1500, 2100, 2750, 3250
नार्थ प्रेसीडेंशियल गैलरी - 6500
साउथ प्रेसीडेंशियल गैलरी - 8000
नार्थ प्लेटिनम लान- 15,000
साउथ डायरेक्टर लान- 18,000
नार्थ कारपोरेट बाक्स- 25,000
साउथ कारपोरेट बाक्स- 40,000

जल्द शुरू होगा दूसरा चरण

यूपीसीए के सीईओ अंकित चटर्जी का कहना है कि बीसीसीआई की ओर से भारत-इंग्लैंड मुकाबले के लिए टिकट ब्रिकी का पहला चरण पूरा हो चुका है। जल्द दूसरा चरण शुरू होगा। लखनऊ में होने वाले अन्य चार मुकाबलों के लिए भी टिकटों की बिक्री जारी है। उम्मीद है कि सभी मुकाबले हाउसफुल रहेंगे।

देश धीरे-धीरे तानाशाही की ओर बढ़ रहा

नई दिल्ली। मुंबई में गुरुवार को शुरू हुई विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक का आज दूसरा दिन है। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नेताओं की आज होने वाली औपचारिक बैठक में गठबंधन के संयोजक और लोगो पर फैसला हो सकता है। मुंबई के होटल ग्रैंड हयात में पहले दिन की बैठक में ११ सदस्यीय समन्वय समिति बनाने पर सहमति बनी थी।

बिना काम किए उनकी तारीफ हो रही– नीतीश

इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि तीसरी बैठक में भी अच्छे ढ़ंग से बातचीत हुई है। हम जगह-जगह जाकर प्रचार करते रहेंगे। जो अब केंद्र में हैं वो अब हारेंगे। वो अब जाएंगे। नीतीश ने कहा कि ये काम कम करते हैं, छपता ज्यादा है। ये लोग देश के इतिहास को बदलना चाहते हैं। हम देश के इतिहास को बदलने नहीं देंगे। बिना किए उनके काम की तारीफ की जा रही है।

खरगे ने कही ये बात

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों के खिलाफ काम करती है। पीएम मोदी पहले १०० रुपये बढ़ाते हैं, और फिर दो रुपये कम कर देते हैं। पहले उन्होंने एलपीजी का दाम दोगुना कर दिया, फिर दो सौ रुपये कम कर दिए। महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ हमें मिलकर लड़ना है। ईडी- सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है।

लोकसभा के आगामी सत्र को बुलाने पर भी खरगे ने मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब-जब संकट आया तब कभी स्पेसल सत्र नहीं बुलाया गया। मणिपुर जल रहा है, लेकिन उस पर कभी सत्र नहीं बुलाया गया। अचानक ये सत्र बुलाया गया है। सत्र बुलाने का एजेंडा किसी को पता नहीं है। देश धीरे-धीरे तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। वे छोटा-मोटा घालमेल नहीं कर रहे, उनके घोटाले अद्रश्य हैं। कैग रिपोर्ट बता रही है कि करोड़ों के घोटाले हुए हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि बैठक के दौरान तीन प्रस्ताव पारित किए गए हैं। जुड़ेगा भारत जीतेगा भारत इंडिया गठबंधन की थीम रहेगी।

उद्धव ठाकरे ने साधा निशाना

उद्धव ठाकरे बोले- हमारी एकता से विरोधियों में घबराहट है। इंडिया मजबूत होता जा रहा है। भयमुक्त भारत के लिए सभी लोग इकट्ठे हो रहे हैं। चुनाव में तानाशाही भ्रष्टाचार से लड़ेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत जरूर होगी। हम मित्र परिवारवाद के खिलाफ लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि एलपीजी में छूट जरूर दी गई है, लेकिन पहले पांच सालों में जमकर लूट की गई है।

इंडिया गठबंधन ने लिया साथ चुनाव लड़ने का संकल्प

ष्छक्प्। ब्ल क ने बैठक के दूसरे दिन प्रस्ताव भी पारित किया है। इसमें कहा गया, ष्हम, ष्छक्प्। गठबंधन की पार्टियां, आगामी लोकसभा चुनाव जहां तक संभव हो मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू की जाएगी और लेन-देन की सहयोगात्मक भावना के साथ जल्द से जल्द संपन्न की जाएगी।

विपक्ष ने तय की 13 सदस्यीय कार्डिनेशन कमेटी

'इंडिया' गठबंधन ने १३ सदस्यीय समन्वय समिति को अंतिम रूप दिया। केसी वेणुगोपाल, शरद पवार, एमके स्टालिन, तेजस्वी यादव, अभिषेक बनर्जी 'इंडिया' गठबंधन की समन्वय समिति का हिस्सा होंगे। इसके अलावा संजय राउत, ललन सिंह, राघव चड्ढा, हेमंत सोरेन, जाधव अली खान, डी. राजा, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती भी इस कमेटी में रहेंगे।

पीएम ने हमारे गठबंधन की तुलना आतंकी संगठनों से की: खरगे

मुंबई में ष्छक्प्। गठबंधन की बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हमारी दोनों बैठकों की सफलता, पहली पटना में और दूसरी बेंगलुरु में, इस तथ्य से मापी जा सकती है कि प्रधानमंत्री ने अपने बाद के भाषणों में न सिर्फ ष्छक्प्। पर हमला बोला बल्कि हमारे प्यारे देश के नाम की तुलना आतंकवादी संगठन और गुलामी के प्रतीक से भी की। गठबंधन की बैठक पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, ष्...उन्हें अपने न्च। नाम पर शर्म आती है और वे नाम बदलना चाहते हैं, लेकिन एक नाम मूल उत्पाद को नहीं बदल सकता। उत्पाद वही है, यह वही लालू यादव हैं जो जेल में थे, यह वही कांग्रेस पार्टी है जिसने यूपीए शासनकाल के दौरान १० साल तक देश को लूटा... नाम बदलने से उनकी राजनीति नहीं बदलेगी, उनकी राजनीति परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण पर केंद्रित रही है, और आगे भी इसी पर केंद्रित होगी।

विपक्ष की बैठक पर सीएम शिंदे ने कसा तंज

ष्छक्प्। गठबंधन की बैठक पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, ... यह एक टोली है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये पहले भी एकत्रित हुए थे और अब भी च्ड मोदी के डर से ये एकत्रित हो रहे हैं।

इंडिया समूह 4.30 बजे करेगा प्रेस कान्फ्रेंस

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ष्जो निर्णय होगा वे ४रू३० बजे की प्रेस क न्फ्रेंस में बताया जाएगा। सीटों को लेकर चर्चा होगी। मुझे यकीन है कि चर्चा के बाद व्यापक निर्णय लिए जाएंगे। महंगाई से जनता त्रस्त है। देश के सामने अहम मुद्दा महिला विकास, किसान, चीन है और अगर सदन इन पर है तो स्वागत योग्य है।

एक देश-एक चुनाव के लिए संविधान में कैसे किया जाएगा बदलाव

नई दिल्ली। पिछले साल नवंबर में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि चुनाव आयोग एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनावों को करा सकता है। राजीव कुमार के मुताबिक, इसमें निश्चित रूप से बहुत सारे रसद, बहुत सारे व्यवधान शामिल हैं, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो विधायिकाओं को तय करना है। केंद्र सरकार ने १८ से २२ सितंबर के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है। केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संसद के विशेष सत्र में पांच बैठकें होंगी। इस बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार इस विशेष सत्र में एक देश एक चुनाव पर विधेयक ला सकती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०१९ में ७३वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। इसके बाद पीएम मोदी ने पीठासीन अधिकारियों के ८०वें अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए भी इस पर विचार रखा था। आखिर क्या है एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव? पहले कब उठा था यह मुद्दा? क्या पहले कभी एक साथ देश में चुनाव हुए हैं? इस पर चुनाव आयोग का क्या रुख है?

क्या है एक देश एक चुनाव की बहस ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०१९ के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव से ऐन पहले होंगे।

एक देश एक चुनाव की बहस की वजह क्या है ?

दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस २०१८ में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि २०१४ में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च ५०:५० के अनुपात में बंट जाएगा।

सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग का कहना था कि साल १९६७ के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरुआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा ३५६ के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है।

लोकसभा-विधानसभा चुनावों का खर्च एकसमान

आयोग के मुताबिक २०१४ लोकसभा चुनावों में ३५ अरब ८६ करोड़ २७ लाख रुपए खर्च हुए। २०१४ के बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों पर ३३ करोड़ ७२ लाख खर्च आया जबकि लोकसभा चुनावों का खर्च २६ करोड़ ही रहा। झारखंड विधानसभा चुनावों में ८६ करोड़ खर्च हुए, जबकि लोकसभा में ८६ करोड़ ४७ लाख रुपए खर्च हुए। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों में १ अरब ३१ करोड़ और लोकसभा में १ अरब ६६ करोड़ का खर्च हुए। वहीं, दिल्ली में विधानसभा चुनावों में ६८ करोड़ ७६ लाख रुपए खर्च हुए, जबकि लोकसभा में ३४ करोड़ ५० लाख का खर्च आया।

बार-बार चुनावों से चुनाव आयोग की जेब ढीली

आयोग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि २०१९ में एक साथ चुनाव कराते हैं, तो तकरीबन १० लाख पोलिंग बूथ बनाने होंगे और तकरीबन १३ लाख बैलेट यूनिट्स, ९.४ लाख कंट्रोल यूनिट्स और तकरीबन १२.३ लाख वीवीपैट मशीनों की जरूरत होगी। एक इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन की कीमत ३३ हजार २०० रुपए पड़ती है। चुनाव आयोग का कहना था कि साथ चुनाव होते हैं तो अकेले ईवीएम पर ही ४ हजार ५५५ करोड़ रुपए खर्च होंगे। जबकि एक ईवीएम की अधिकतम उम्र १५ साल ही होती है। तब आयोग ने कहा था कि ईवीएम के आज की कीमत के हिसाब से २०२४ में दोबारा एक साथ चुनाव कराने पर १७५१ करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जबकि २०१९ में यह बढ़ कर २०१८ करोड़ रुपए हो जाएगा। वहीं २०३४ में साथ चुनाव कराने पर नई ईवीएम खरीदने में १४ हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

पहले कब-कब एक साथ चुनाव हुए ?

आजादी के बाद देश में पहली बार १९५१-५२ में चुनाव हुए। तब लोकसभा के साथ ही सभी राज्यों की विधानसभा के चुनाव भी संपन्न हुए थे। इसके बाद १९५७, १९६२ और १९६७ में भी एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराए गए। १९६८-६९ के बाद यह सिलसिला टूट गया, क्योंकि कुछ विधानसभाएं विभिन्न कारणों से भंग कर दी गई थीं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एके सीकरी के मुताबिक,८एक राष्ट्र-एक चुनाव नई धारणा नहीं है। आजाद भारत के पहले चार आम चुनाव ऐसे ही हुए थे। जस्टिस सीकरी कहते हैं, एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रक्रिया में बदलाव १९६० से तब शुरू हुआ जब गैर कांग्रेस पार्टियों ने राज्य स्तर पर सरकारें बनाना शुरू किया। इसमें यूपी, बंगाल, पंजाब, हरियाणा शामिल थे।

इसके बाद १९६९ में कांग्रेस का बंटवारा और १९७१ युद्ध के बाद मध्यावधि चुनाव हुए और इसके बाद विधानसभा चुनावों की तारीखें कभी आम चुनाव से नहीं मिलीं और अलग-अलग चुनाव शुरू हो गया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अतिरिक्त स लिसिटर जनरल पराग पी. त्रिपाठी कहते हैं, श्चुनाव लोकतंत्र से जुड़े हैं और लोकतंत्र शासन का जरिया है। एक राष्ट्र-एक चुनाव की धारणा १९५२ से १९६७ तक चली। राज्यों की संप्रभुता और पहचान अलग-अलग चुनाव से मजबूत हुई। देश के अर्ध एवं सहकारी संघवाद के लिए यह एक बेहतर विकल्प है।

कैसे पारित होगा ये प्रस्ताव ?

राज्यसभा के पूर्व महासचिव देश दीपक शर्मा इस बारे में बताते हैं, श्इस बारे में एक प्रक्रिया करनी होगी जिसमें संविधान संशोधन और राज्यों का अनुमोदन भी शामिल है। संसद में पहले जो विधेयक पारित कराए गए हैं, उनमें सरकार को दिक्कत नहीं आई है तो इसमें भी नहीं होगी। एक अड़चन बताई जाती है कि इसे लागू करने से पहले विधानसभाओं को भंग करना होगा। हालांकि, ऐसा नहीं है जब राज्यसभा का गठन हुआ था और उसमें बहुत से सदस्य आये थे तो सवाल उठा था कि उनका एक तिहाई-एक तिहाई करने इन्हें रिटायर कैसे किया जाए। इसमें जरूरी नहीं है कि उनका कार्यकाल घटाया जाए, ऐसा भी हो सकता है कि जिन राज्यों का समय पूरा नहीं हुआ है उनको अतिरिक्त समय दे दिया जाए। अब सवाल उठता है कि राज्यों की विधानसभा भंग कैसे होगी? इसके दो जवाब हैं- पहला कि केंद्र राष्ट्रपति के जरिए राज्य में अनुच्छेद ३५६ लगाए। दूसरा यह है कि खुद संबंधित राज्यों की सरकारें ऐसा करने के लिए कहें।

सलमान खान की दो फिल्मों को गदर 2 ने पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सनी देओल और उनकी गदर २, पिछले कई दिनों से ब क्स अ फिस पर यही दो नाम सुनाई दे रहे है। फिल्म को रिलीज हुए अब तीन हफ्तों का लंबा वक्त गुजर चुका है। फिर भी गदर २ हथियार डालने को तैयार नहीं है। उल्टा अपने बाद रिलीज होने वाली फिल्मों पर भारी पड़ती जा रही है। गदर २ ने बाक्स आफिस पर ऐसी तबाही मचाई है कि इसकी गूज दूर तक सुनाई दे रही है। फिल्म देशभर के बाक्स आफिस पर तो राज कर ही रही है, लेकिन वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में भी रिकार्ड तोड़ती जा रही है। बीते दिन गदर २ ने धूम ३ को पीछे छोड़ा था। अब सनी देओल की फिल्म ने वर्ल्डवाइड सुल्तान और टाइगर जिंदा है दोनों को पीछे छोड़ दिया है।

टाइगर जिंदा है का कलेक्शन

ये दोनों फिल्म सलमान खान की है और दुनियाभर में इन्होंने ताबड़तोड़ कमाई की थी। हालांकि, गदर २ के आगे सुल्तान और टाइगर दोनों ने घुटने टेक दिए है। बालीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर जिंदा है ने विदेश में १२६.३८ करोड़ और भारत में ४३४.८२ करोड़ का ग्रास कलेक्शन किया था। इसके साथ ही टाइगर जिंदा है ने दुनियाभर में ५६४.२० करोड़ का ग्र स कलेक्शन किया था।

सुल्तान की कमाई

सुल्तान की बात करें तो इस फिल्म ने ओवरसीज १६७.२ करोड़ और भारत में ४१७.२६ करोड़ का ग्र स बिजनेस किया। इसके साथ ही फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्र स कलेक्शन ६१५.४६ करोड़ हो गया था।

गदर2 का बिजनेस

अब गदर २ के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने विदेश में अब तक ६०.५६ करोड़ का ग्रास बिजनेस किया है। वहीं, भारत में फिल्म का ग्रास कलेक्शन ५७४.३५ करोड़ है। इसके साथ ही गदर २ का वर्ल्डवाइड गास बिजनेस ६३४.६१ करोड़ हो गया है।

इन फिल्मों को गदर2 ने किया ढेर

गदर २ ने अब तक न सिर्फ सुल्तान, टाइगर जिंदा है और धूम ३ को मात दी है, बल्कि संजू पद्मावत, वार, चेन्नई एक्सप्रेस, अंधाधुन और ३ इडियट्स समेत कई ब्लाकबस्टर फिल्मों को धूल चटा चुकी है।

गदर 2 बाक्स आफिस पर झुकने को तैयार नहीं है। फिल्म रिलीज के दिन से छप्परफाड़ कमाई करती जा रही है। हाल ही में गदर 2 ने वर्ल्डवाइड धूम 3 को मात दी थी। वहीं अब सलमान खान की दो फिल्मों को ढेर कर दिया है। भाईजान की सुल्तान और टाइगर जिंदा है दोनों को गदर 2 ने पीछे छोड़ दिया है।

साइड बिजनेस से भी छप्परफाड़ कमाई

बालीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फैशन कंपनी बींग ह्यूमन के बारे में तो हर कोई जानता है. इस फैशन ब्रांड से सलमान तगड़ी कमाई करते हैं और इसके सीएसआर प्रोग्राम के अंतगर्त जरूरतमंदों की मदद भी करते हैं।

नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर आते ही किया धमाका 24 घंटे में इतने मिलियन हुए फालोअर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ सिनेमा की फीमेल सुपरस्टार नयनतारा शाह रुख खान की फिल्म जवान के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। उनकी मास एंटरटेनर फिल्म जवान को लेकर फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट है। एटली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पहली बार उनकी और किंग खान की केमिस्ट्री फैंस को बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। कल यानी कि ३१ अगस्त को जवान के ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर अपना डेब्यू किया था। २४ सिनेमाघरों की तरह ही सोशल मीडिया पर उनके डेब्यू ने धमाका कर दिया है।

24 घंटे में नयनतारा के इंस्टाग्राम पर हुए इतने फालोअर्स

नयनतारा इंडस्ट्री में काफी सालों से हैं, लेकिन सोशल मीडिया से उन्होंने हमेशा दूरी बनाए रखी। लेकिन जवान के ट्रेलर लान्च के साथ जैसे ही वह इंस्टाग्राम पर आईं, उनके चाहने वाले खुशी से झूम उठे। साउथ सुपरस्टार एक्ट्रेस के आते ही २४ घंटे में लगभग १.५ मिलियन फालोअर्स इंस्टाग्राम पर हो चुके हैं। फैंस ने खुले दिल के साथ अपनी पसंदीदा अभिनेत्री का स्वागत किया। जवान का ट्रेलर के अलावा नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर अपने ट्विन्स के साथ भी इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर की। कमेंट ब क्स में सेलिब्रिटीज से लेकर फैंस तक उनका सोशल मीडिया पर वेलकम कर रहे हैं।

साउथ सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं सुपरस्टार एक्ट्रेस शाह रुख खान की फिल्म जवान के साथ बालीवुड में कदम रख रही हैं। कल ट्रेलर रिलीज के साथ नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर कदम रखा। अब 24 घंटे के अंदर ही साउथ सुपरस्टार एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बड़ा रिकार्ड बनाया है। 1 दिन में उन्हें इतने लोगों ने फालो किया।

मालदीव के समुंदर के मजे लेकर आए हो...

दिल्ली,एजेंसी। विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया बालीवुड के नए पावर-कपल हैं. दोनों ने अपने संबंधों को नहीं छुपाया है और मीडिया तथा सोशल मीडिया में फैन्स के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. लेकिन गुरुवार को जब दोनों मुंबई एयरपोर्ट से बाहर आ रहे थे, तभी पैपराजी ने विजय वर्मा पर ऐसी टिप्पणी की कि उनका मुस्कराता हुआ चेहरा अचानक गंभीर हो गया. तमन्ना ने मालदीव में मिनी वेकेशन बिताने की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं. दोनों सितारे हवाई अड्डे से अलग-अलग, थोड़ी देर के अंतराल पर बाहर निकले. दोनों के बाहर निकलती तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में देखे जा सकते हैं.

लहजा हुआ सख्त

तमन्ना जब अपनी कार की ओर जा रही थीं, तो फोटोग्राफरों में से एक ने मालदीव की उनकी तस्वीरों की प्रशंसा करते हुए बातचीत की. तमन्ना ने इस पर खुशी जाहिर की लेकिन जब फोटोग्राफर ने उनसे विजय के बारे में पूछा कि वह नहीं आए, तो तमन्ना ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. चलती रहीं. लेकिन विजय के मामले में ऐसा नहीं हो सका. जब विजय वर्मा हवाई अड्डे से निकल रहे थे, तो फोटोग्राफर उनकी भी तस्वीरें लेते हुए वीडियो बना रहे थे. तभी उनमें से किसी ने उनसे पूछा कि मालदीव के समंदर के मजे ले के आए हो..., तो एक्टर के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई. विजय वर्मा गंभीर हो गए और उन्होंने पैपराजी को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि इस तरह की बात नहीं कर सकते.

बदल गए इरादे

विजय और तमन्ना की नजदीकियां बीते कुछ महीनों में सुर्खियों में रही हैं. खास तौर पर नेटफ्लिक्स एंथोल जी लस्ट स्टोरीज २ रिलीज होने के बाद वे ज्यादा खुलकर सामने आए. इस एंथोल जी में दोनों पर कुछ उत्तेजक श्य भी फिल्माए गए थे और उनकी काफी चर्चा हुआ. बताया जाता है कि इसकी शूटिंग के दौरान ही दोनों को सेट पर एक-दूसरे से प्यार हो गया. हाल में एक इंटरव्यू में विजय वर्मा ने कहा था कि मैं किसी एक्ट्रेस के साथ रिलेशनशिप नहीं चाहता था, मगर तमन्ना भाटिया ने मेरे विचारों को बदल दिया. तमन्ना हाल में वेब सीरीज आखिरी सच में नजर आई हैं. जबकि विजय वर्मा सितंबर में नेटफ्लिक्स फिल्म जाने जान में करीना कपूर खान के साथ दिखाई देंगे।

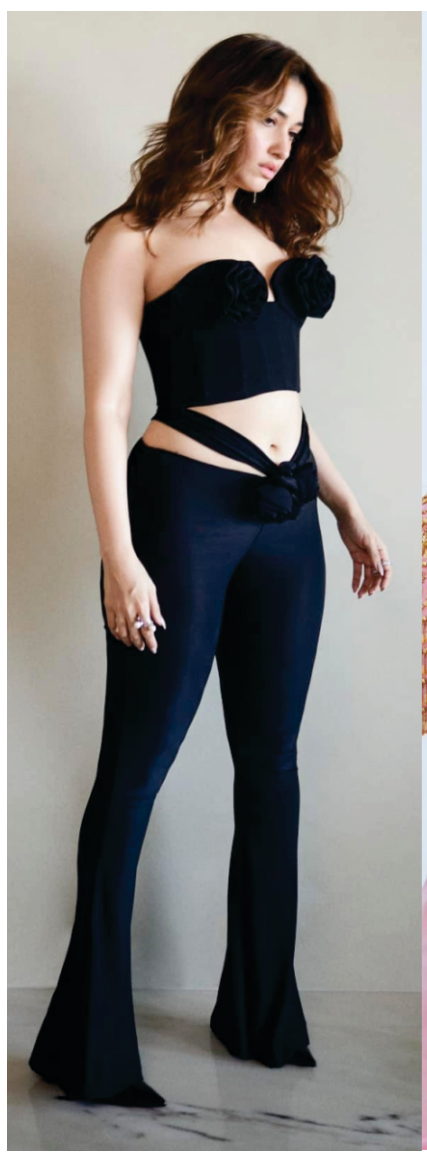

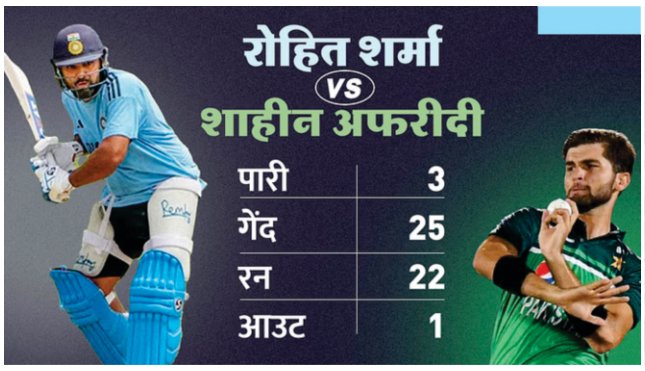

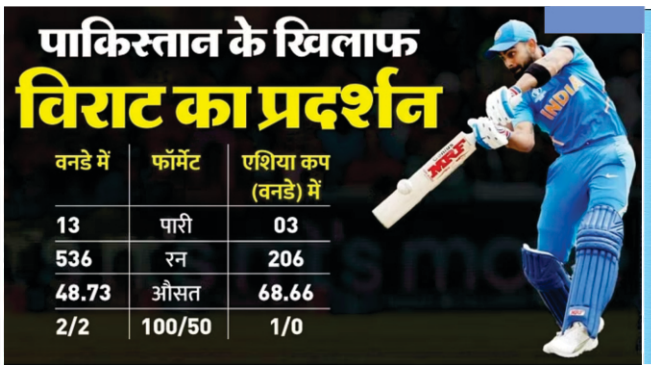

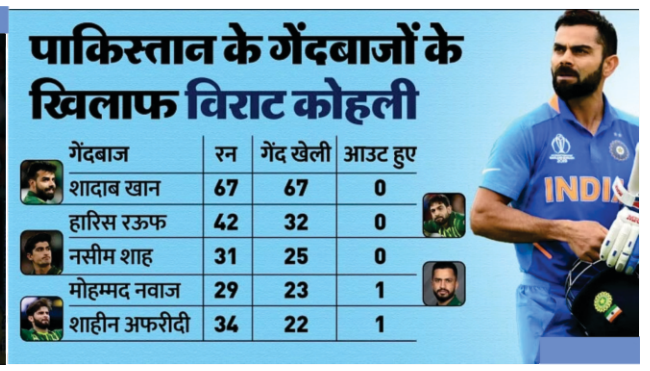

रोहित-शाहीन, बुमराह-बाबर और विराट-रऊफ्य भारत पाकिस्तान मैच में इन खिलाड़ियों के बीच होगी मजेदार जंग

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप २०२३ में भारत का पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ है। टीम इंडिया इस मैच के लिए तैयारी पूरी कर चुकी है। वहीं, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी और इस टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं। भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा खास होता है और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजर इस मैच पर होती है। इसी वजह से इसे महामुकाबला भी कहा जाता है। एशिया कप में होने वाले मुकाबले में दोनों टीमों की टक्कर तो रोमांचक होगी ही, लेकिन कुछ खिलाड़ियों के बीच आपसी जंग भी मजेदार होने वाली है। हम यहां दोनों टीमों के खिलाड़ियों की ऐसी ही पांच जोड़ियों के बारे में बता रहे हैं।

अफरीदी बनाम रोहित शर्मा

भारतीय सलामी बल्लेबाजों का रिकार्ड बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के तेज गेंदबाजों के खिलाफ कुछ खास नहीं है। खासकर बड़े मुकाबलों में कई मौकों पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज भारत की हार का कारण बने हैं। चौंपियंस ट्र फी २०१७ में मोहम्मद आमिर, वनडे विश्व कप सेमीफाइनल २०१६ में ट्रेंट बोल्ट और टी२० विश्व कप २०२१ में बाएं हाथ के शाहीन अफरीदी ने भारत के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। आमिर संन्यास ले चुके हैं और बोल्ट के खिलाफ भारतीय टीम वनडे विश्व कप में ही खेलेगी, लेकिन शाहीन अफरीदी एशिया कप में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे। शाहीन ने अपने पहले ही ओवर में खूब विकेट लिए हैं और भारत के लिए खतरा बने हुए हैं।शाहीन अफरीदी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। कई बार पारी की शुरुआत में रोहित के पैर ठीक से नहीं चलते हैं। ऐसे में वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की अंदर आती गेंद पर बोल्ड या एलबीडबल्यू हो सकते हैं। २०२१ विश्व कप में शाहीन ने रोहित शर्मा का खाता खुलने से पहले उन्हें पवेलियन भेज दिया था। हालांकि, वनडे में रोहित ज्यादा संभलकर खेलते हैं और शुरुआती ओवर में अपनी नजरें क्रीज पर जमाने के बाद बड़ी पारी खेल सकते हैं।

हारिस रऊफ बनाम विराट कोहली

पिछले साल के टी२० विश्व कप के दौरान हारिस राउफ की गेंद पर विराट कोहली ने लगातार दो छक्के लगाकर मैच भारत की तरफ मोड़ दिया था। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि यह उनकी सबसे बेहतरीन टी२० पारी है। हालांकि, हारिस रऊफ ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन किया है और वह अपनी गति से किसी भी बल्लेबाज को आउट करने की क्षमता रखते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद रऊफ का आत्मविश्वास भी सातवें आसमान पर होगा। रऊफ की तेज गेंदों और कोहली की बल्ले के बीच रोमांचक जंग होना तय है।

बाबर आजम बनाम जसप्रीत बुमराह

ये दोनों खिलाड़ी आखिरी बार टी२० विश्व कप २०२१ में आमने-सामने आए थे। इस मैच में बाबर ने बुमराह की गेंदों पर आसानी से रन बनाए थे और अपनी टीम को १० विकेट से जीत दिलाई थी। यह पहला मौका था, जब पाकिस्तान की टीम भारत से कोई विश्व कप मैच जीती थी। हालांकि, पीठ की चोट के बाद वापसी करने वाले बुमराह शानदार लय में हैं और उनका सामना करना किसी के लिए आसान नहीं होगा। बाबर ने अपने एशिया कप २०२३ अभियान की शुरुआत कमजोर नेपाल के खिलाफ शतक के साथ की, लेकिन भारत के खिलाफ रन बनाना उनके लिए आसान नहीं होगा। अब तक वह टीम इंडिया के खिलाफ एक अर्धशतक तक नहीं लगा पाए हैं।

कुलदीप यादव बनाम इफ्तिखार अहमद

कुलदीप यादव और इफ्तिखार अहमद के बीच जंग मैच में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। बड़े श ट खेलने में माहिर इफ्तिखार कुलदीप के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं। वहीं, कुलदीप भी अपनी विविधता और चालाकी के जरिए इफ्तिखार को आउट कर सकते हैं। मोहम्मद रिजवान जैसे स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद, इफ्तिखार पाकिस्तान के सबसे बेहतरीन फ र्म वाले मध्यक्रम बल्लेबाज हैं। हालांकि, कुलदीप यादव वापसी के बाद शानदार लय में हैं और उन्हें खेलने में बल्लेबाजों को परेशानी हो रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन शानदार था और वह बाबर आजम को भी अपनी फिरकी में फंसा चुके हैं। एक बार फिर कुलदीप पाकिस्तान के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

विराट कोहली बनाम बाबर आजम

विराट कोहली और बाबर आजम प्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे के सामने नहीं होंगे, क्योंकि दोनों बल्लेबाज हैं और गेंदबाजी न के बराबर करते हैं। हालांकि, दोनों के बीच बल्ले से कमाल करने की जंग होगी और यह देखना मजेदार होगा कि कौन ज्यादा रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाता है। बाबर और कोहली के बीच चल रही तुलना लगातार सुर्खियों में रही है। भले ही विराट ने इस लड़ाई में बाबर से कोसों आगे हों, लेकिन १०१ वनडे पारियों के बाद बाबर का रिक र्ड कोहली से बेहतर है। वहीं, विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ कई यादगार पारियां खेली हैं, लेकिन बाबर आजम भारत के खिलाफ वनडे में कुछ खास नहीं कर पाए हैं। इस मैच में वह अपना रिक र्ड बेहतर करना चाहेंगे। वहीं, विराट की कोशिश एक बार फिर खुद को बेहतर साबित करने की होगी।

पाकिस्तान के मौजूदा गेंदबाजों के खिलाफ विराट का 100 का स्ट्राइक रेट सिर्फ नवाज-अफरीदी कर सके आउट

स्पोर्ट्स डेस्क। वनडे में विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ १३ मैचों में ४८.७३ की औसत से ५३६ रन और टी२० में १० मैचों में ८१.३३ की औसत और १२३.८६ के स्ट्राइक रेट से ४८८ रन बनाए हैं। एशिया कप वनडे में भी पाकिस्तान के खिलाफ विराट का रिकार्ड शानदार है। भारत और पाकिस्तान के बीच दो सितंबर को पल्लेकल में महामुकाबला खेला जाएगा। एशिया कप के इस मैच का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भारतीय फैंस को उम्मीद है कि इस मुकाबले में विराट कोहली और रोहित शर्मा का बल्ला चलेगा और वह टीम इंडिया को मैच जिताएंगे। हालांकि, टीम इंडिया के लिए राह आसान नहीं होगा, क्योंकि पाकिस्तान के पास शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ और शादाब खान जैसे गेंदबाज हैं, जो किसी भी बैटिंग लाइन अप को तहस-नहस करने की काबिलियत रखते हैं। इनके सामने रन बनाना विराट और रोहित के लिए कठिन चुनौती होगी। हालांकि, वनडे फ मेंट और एशिया कप (वनडे) में विराट का पाकिस्तान के खिलाफ शानदार रिक र्ड रहा है। इतना ही नहीं वनडे और टी२० को मिला दें तो विराट का पाकिस्तान की मौजूदा टीम में शामिल गेंदबाजों के खिलाफ भी रिक र्ड शानदार रहा है। सभी गेंदबाजों के खिलाफ विराट का स्ट्राइक रेट १०० का रहा है।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

सुपर ओवर में रिंकू सिंह का कमाल

लगातार तीन छक्के जड़ टीम को जीत दिलाई, आईपीएल का कारनामा दोहराया

स्पोर्ट्स डेस्क। रिंकू सिंह ने सुपर ओवर में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए लगातार तीन गेंदों में छक्के लगाए और उनकी टीम ने १७ रन का लक्ष्य दो गेंद रहते हासिल कर लिया। इस मैच में माधव कौशिक ने भी बेहतरीन अर्धशतक लगाया। आईपीएल में लगातार पांच छक्के लगाकर कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने वाले रिंकू सिंह ने यूपी टी२० लीग में भी कमाल किया है। सुपर ओवर में उन्होंने लगातार तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई और फिर सुर्खियों में आ गए। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ टी२० मैच में भी उन्होंने अंत के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की थी और भारत को अच्छे स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया था।

यूपी टी२० लीग के मुकाबले में रिंकू की टीम मेरठ मारविक्स का सामना काशी रुद्रा से था। मेरठ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए २० ओवर में चार विकेट पर १८१ रन बनाए। मेरठ के लिए सबसे ज्यादा ८७ रन माधव कौशिक ने बनाए। उन्होंने ५२ गेंद में नौ चौके और चार छक्के की मदद से विस्फोटक पारी खेली। रिंकू ने २२ गेंद में १५ रन की धीमी पारी खेली। हालांकि, १८२ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए काशी रुद्रा की टीम सात विकेट खोकर १८१ रन ही बना पाई और मैच टाई हो गया। ऐसे में सुपर ओवर के जरिए मैच का नतीजा निकाला गया।

सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए काशी की टीम ने १६ रन बनाए। कर्ण शर्मा ने पांच गेंद खेलकर एक चौके और एक छक्के की मदद से १० रन बनाए। वहीं, आखिरी गेंद में मोहम्मद शरीम ने छक्का लगाकर काशी का स्कोर १६ रन कर दिया। मेरठ के लिए १७ रन के लक्ष्य का पीछा करने रिंकू सिंह और दिव्यांश क्रीज पर आए। २२ गेंद में १५ रन बनाने वाले रिंकू पर टीम ने भरोसा जताया और उन्हें स्ट्राइक पर भेजा, लेकिन पहली गेंद पर वह कोई रन नहीं बना सके। हालांकि, इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेंदों पर छक्के लगाए और अपनी टीम को दो गेंद रहते जीत दिला दी। उनकी इस पारी ने सभी को आईपीएल का वह मैच याद दिला दिया, जिसमें उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए गुजरात के खिलाफ यश दयाल के आखिरी ओवर की अंतिम पांच गेंदों में पांच छक्के लगाए थे और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

भारत के लिए भी खेली थी शानदार पारी

आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू करने वाले रिंकू सिंह को पहले मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने २१ गेंद में ३८ रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम का स्कोर १८५ रन तक पहुंचाया था। उन्होंने तीन छक्के और दो चौके लगाए थे। उन्होंने शिवम दुबे के साथ मिलकर अंत के दो ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी।